Shri Baglamukh Mala Mantra

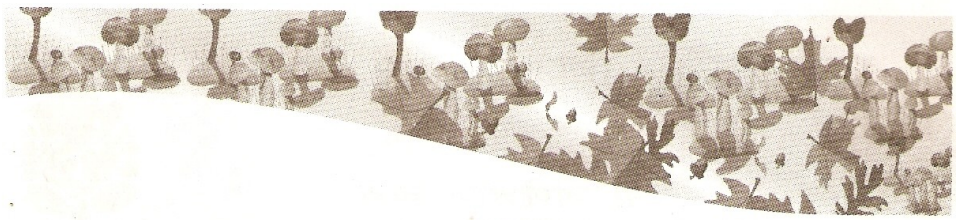

१७

श्री बगलामालामन्त्र

सभी प्रकार की बाधाओं से मुक्ति प्राप्ति के लिए माँ बगला के माला मन्त्र का पाठ व जाप किया जाता है। सभी प्रकार के दोषों के निग्रहार्थ इस माला मन्त्र का पाठ रामबाण है। साधकों से अनुरोध है कि किसी भी शुभ मुहुर्त में इस माला के १०८ जाप कर लें। फिर देखिये! कितना सुखद परिणाम आपको प्राप्त होगा।

"ॐ नमो भगवति ॐ नमो वीर प्रताप विजय भगवति बगलामुखि मम सर्व निन्दकानां सर्व दुष्टानां वाचं मुखं पदं स्तम्भय स्तम्भय, ब्राह्मीं मुद्रय मुद्रय, बुद्धिं विनाशय विनाशय, अपरबुद्धिं कुरु कुरु, आत्मविरोधिनां शत्रुणां शिरो-ललाट-मुख-नेत्र-कर्ण- -नासिकोरु-पद-अणुरेशु-दन्तोष्ट-जिह्वा-तालू-गुह्य-गुद-कटि-जानू-सर्वाङ्गेषु-केशादिपादपर्यन्तं पादादिकेशपर्यन्तं स्तम्भय स्तम्भय, खें खीं मारय मारय परमन्त्र-परयन्त्र-परतन्त्राणि छेदय-छेदय, आत्ममन्त्रयन्त्रतन्त्राणि रक्ष-रक्ष, ग्रहं निवारय निवारय, व्याधिं विनाशय विनाशय, दुःखं हर-हर, दारिद्रयं निवारय निवारय, सर्वमन्त्रस्वरूपिणी, सर्वतन्त्रस्वरूपिणी, सर्वशिल्पप्रयोग स्वरूपिणी, सर्व तत्व स्वरूपिणी, दुष्ट ग्रह-भूतग्रह-आकाशगृह-पाषाण ग्रह-सर्व चाण्डाल ग्रह-यक्ष किन्नरकिम्पुरुष ग्रह-भूतप्रेत पिशाचानां शाकिनी डाकिनी ग्रहाणां पूर्वदिशां बन्धय-बन्धय, वार्तालि माँ रक्ष रक्ष, दक्षिण दिशां बन्धय-बन्धय किरातवार्तालि मां रक्ष रक्ष, पश्चिम दिशां बन्धय बन्धय स्वप्नवार्तालि मां रक्ष रक्ष, उत्तर दिशां बन्धय-बन्धय, कालि मां रक्ष रक्ष, उर्ध्व दिशं बन्धय बन्धय, उग्रकालि मां रक्ष रक्ष, पातालदिशं बन्धय बन्धय, बगलापरमेश्वरि मां रक्ष रक्ष, सकल रोगान् विनाशय विनाशय, सर्वशत्रु पलायनाय पञ्चयोजन मध्ये, राजजनस्त्रिवशतां कुरु-कुरु, शत्रुन दह-दह, पच-पच, स्तम्भय-स्तम्भय, मोहय-मोहय, आकर्षय-आकर्षय, मम शत्रुन् उच्चाटय-उच्चाटय, हुं फट् स्वाहा।

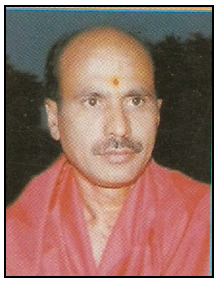

About The Author

Name :- **Shri Yogeshwaranand Ji**
Mb :- **+919917325788, +919675778193**
Email ;- **shaktisadhna@yahoo.com**

Some Of the Books Written By Shri Yogeshwarnand Ji

1. Baglamukhi Sadhna Aur Siddhi

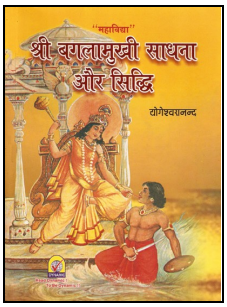

Download Click Here

2. **Mantra Sadhna**

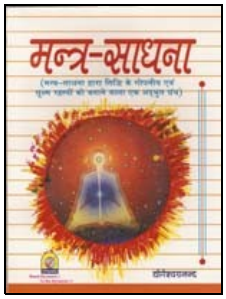

Download Click Here

3. **Shodashi Mahavidya**

Download Click Here